पाठ 20. जेल का जीवन

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में विवेचनात्मक सोच संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे अपने अनुभवों का सकारात्मक मूल्यांकन कर सकें। यह पाठ महान क्रांतिकारी गणेश शंकर विद्यार्थी के संस्मरण पर आधारित है। इस संस्मरण में देशभक्ति की अनूठी मिसाल पेश की गई है।

पाठ का सार

विद्यार्थी जी कहते हैं कि जेल में अधिकांश लोग जोशीले और उत्साही थे। एक-एक कोठरी में कई-कई आदमियों को ठूँस दिया जाता था। सुबह छह बजे के बाद ही जेल का ताला खुलता था। जेल में रहकर त्याग तथा धार्मिकता की भावना बहुत बढ़ गई थी। सभी धर्मों तथा जाति के लोग परस्पर भाईचारे की भावना रखते थे। कष्टकारी होने के बाद भी जेल का जीवन अच्छा लगता था। काम करने के तरीके अलग होने के बाद भी सभी का मकसद एक था। जेल के अंदर रहकर देशप्रेम की जो भावना दिखाई देती थी, वह अविस्मरणीय थी। जब जेल से रिहा हुए तो जेलर साहब ने हिदायत दी कि कोई अपना काम करो परंतु, लेखक के अनुसार तो एक ही काम था, प्रेस और पत्र के माध्यम से लोगों में आज़ादी की भावना जगाना।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में देश का वातावरण कैसा था–इस विषय पर प्रारंभ में ही चर्चा करें। इसपर बनी फ़िल्मों को लेकर बच्चों से चर्चा करते हुए मूल पाठ को प्रारंभ करें। गणेश शंकर विद्यार्थी जी के व्यक्तित्व के विषय में जानकारी देना संभव हो तो अति उत्तम रहेगा। इसके पठन-पाठन करवाएँ। शब्दों के अर्थ समझाते हुए व उच्चारण में यदि कहीं दक्षता की कमी नज़र आए तो उसका परिमार्जन करते हुए पाठ समझाएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 40** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - तत्सम-तद्भव व देशज-विदेशज शब्दों में अंतर परिभाषा बताने के बाद समझाएँ। परिभाषा व्यावहारिक भाषा में उदाहरणों के साथ-साथ समझाई जा सकती है। गृह–घर के बारे में पूछें कि कौन-सा शब्द तत्सम है और कौन-सा तद्भव।
  - शब्द-युग्म की परिभाषा दें व शब्द-युग्मों के निर्माण की प्रक्रिया समझाएँ।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - यदि संभव हो तो महान स्वतंत्रता सेनानियों की जेल-यात्राओं को दर्शाने वाले चलचित्रों के अंश दिखाकर कक्षा में उनपर चर्चा की जा सकती है।
  - अंडमान-निकोबार में बनी 'सेल्युलर जेल' पर परियोजना कार्य तैयार करायाएँ।